IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 5, Issue 3, January 2025

Impact Factor: 7.67

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस : 1885-1916 का विषलेसणात्मक अध्ययन

डॉ गौरव त्रिपाठी

असि० प्रो० ,राजनीति विज्ञान

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय , मुसाफिरखाना, अमेठी, (उत्तर प्रदेश)

शोध सार:

सोलहवीं शताब्दी के साथ भारत को विभिन्न देश अपना उपनिवेश बनाने की प्रक्रिया प्रांरभ कर चुके थे। जिसमें ब्रिटिश हुकूमत का ज्यादा प्रभाव था। ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन भारत में चल रहा था तथा भारतीयों का शोषण किया जा रहा था । इन्हीं परिस्थितियों में भारत में राष्ट्रीय आंदोलनका उदय हुआ। इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए भारत में एक राजनीतिक संगठन की स्थापना हुई जिसका नाम कांग्रेस रखा गया। इसके संस्थापक ए ओ हयूम ने देश का दौरा किया तथा डफरिन से भी सलाह लिया तब 1885 में कांग्रेस का गठन किया। कांग्रेस अपने शुरुआती दौर में दो युगों में बंटी रही -पहला- उदारवादी युग व दूसरा -उग्रवादी युग। इन दोनों युगों में संघर्ष के साधनों की भिन्नता थी।

मुख्य शब्द

कांग्रेस ,सेफ्टी वाल्व, तड़ित विद्युत चालक, डफरिन ,पिटीशन, प्रार्थना ,संवैधानिक साधन ,उदारवाद, उग्रवाद, अहिंसा, हिंसा।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-23200R